एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज-मानविकी और सामाजिक विज्ञान परिष्करण (सीएचएसएस) अनुसंधान अनुदान

मानविकी और सामाजिक विज्ञान परिष्करण (सीएचएसएस) अनुसंधान अनुदान की स्थापना स्वीडन के उदात्त सहयोग से संभव हो पाया है। यह अनुदान कार्यक्रम एक नवीन सहयोगी परराष्ट्रीय परियोजना का हिस्सा है। इसका उद्देश्य विद्वानों और स्थानीय संस्थानों की अनुसंधान क्षमता में अभिवृद्धि करना है। यह विशेष रूप से संघर्ष वाले अशांत क्षेत्रों या इस अशांति से बाहर आए क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है और इसीलिए यह दक्षिण और दक्षिणपूर्वी एशियाई देशों में पॉलिसी के दृष्टिकोण से प्रासंगिक शोध के माध्यम से सामाजिक एवं आर्थिक हालात को को ठीक करने में मदद करता है।

यह परियोजना विशेष रूप से जूनियर फैकल्टी, स्नातक छात्रों, वरिष्ठ और स्वतंत्र विद्वानों, महिलाओं और नृजातीय अल्पसंख्यक समूहों पर केंद्रित है। **मानविकी और सामाजिक विज्ञान परिष्करण (सीएचएसएस) अनुसंधान अनुदान** अल्प अवधी (2 महीने तक), मध्यम अवधी (2-6 महीने), और लंबी अवधि (12 महीने) के अनुसंधान परियोजनाओं के लिए उपलब्ध हैं जो दक्षिण और दक्षिणपूर्व एशिया में मानविकी एवं सामाजिक विज्ञान के क्षेत्रों को आगे बढ़ाते हैं।

एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज दक्षिण पूर्व एशिया के निम्न और निम्न-मध्यम आय वाले देशों (जैसे, कंबोडिया, लाओ पीडीआर, म्यांमार, पूर्वी तिमोर, इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड और वियतनाम) **के साथ-साथ** दक्षिण एशिया के **आर्थिक रूप से कम सुविधा संपन्न देशों** (जैसे, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका और भारत) **से आवेदन आमंत्रित करता है।** इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड, वियतनाम और भारत के प्रस्तावों का मूल्यांकन करते समय, समीक्षा समिति उन आवेदकों को प्राथमिकता देगी जो संसाधनों और बुनियादी ढांचे की कमी वाले क्षेत्रों और/या संस्थानों से आते हैं। हम सहयोगात्मक परियोजनाओं (कॉलेबोरेटिव प्रोजेक्ट) को भी प्रोत्साहित करते हैं। विशेष रूप से उन संस्थानों में जहाँ साधन सम्पन्न संस्थानों के साथी विद्वान कम संसाधन वाले संस्थानों के स्कॉलर को पार्टनर बनाते हैं और उनके काम में सहयोग हेतु उपयुक्त संसाधन और बुनियादी ढांचे की पेशकश करते हैं।

सीएचएसएस अनुदान प्राप्तकर्ताओं को एएएस-इन-एशिया सम्मेलन में एक पैनल प्रस्ताव प्रस्तुत करने के लिए आमंत्रित किया जाएगा, जहां उन्हें अपनी शोध परियोजनाओं के परिणामों को

साझा करने, कौशल-निर्माण कार्यशालाओं में भाग लेने और एशिया, यूरोप एवं यू.एस. के हमारे पार्टनर के साथ प्रकाशन से संबंधित संभावनाओं पर चर्चा करने का अवसर मिलेगा।

आवश्यक पात्रता

- पीएच.डी. डिग्री धारक दक्षिण और दक्षिणपूर्वी एशियाई नागरिक या फिर मास्टर डिग्री या इसके समकक्ष डिग्री के साथ जो लोग दक्षिण और दक्षिणपूर्वी एशिया में अकादमिक पेशे में हैं या होंगे।
- वैसे स्कॉलर, छात्र, स्वतंत्र शोधकर्ता, और लोक बुद्धिजीवी जो निम्न और निम्न-मध्यम आय वाले देशों के रहने वाले हैं। इसके साथ ही वे लोग भी आवेदन कर सकते हैं जो संघर्ष वाले अशांत क्षेत्रों या इस अशांति से बाहर आए क्षेत्रों में रह रहे हैं।
- एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज (एएएस) की सदस्यता का होना आवश्यक नहीं है।

कार्यक्रम की रूपरेखा

सीएचएसएस अनुदान कार्यक्रम **i)विकास ii) लोकतंत्र, iii) मानवाधिकार, iv) लिंग, और v) पर्यावरण, और,vi) फिलीपींस में किया जानेवाला वनसंरक्षण** (फ़ोरेस्ट फाउंडेशन फिलीपींस द्वारा विशेष प्रायोजन के साथ केवल फिलिपिनो नागरिकों के लिए) से जुड़े विषयों के अन्वेषण संबंधी व्यक्तिगत और सामूहिक दोनों परियोजनाओं (जैसे वैसी परियोजनायें जिसमें वरिष्ठ और कनिष्ठ विद्वान एक-साथ जुड़ सकें) को प्रोत्साहित करता है। इन विषयों पर अकेले शोध किया जा सकता है, या एक दूसरे के साथ संयोजन में किया जा सकता है, या उन तरीकों से किया जा सकता है जो मानविकी और सामाजिक विज्ञान के साथ जुड़ती हों। उन आवेदकों को वरीयता दी जाएगी, जिन्होंने अतीत में कभी शोध अनुदान प्राप्त नहीं किया है और/या जो अल्प-संसाधन वाले संस्थान से हैं।

कार्यक्रम कुछ विशिष्ट पहल से संबंधित प्रस्तावों का भी स्वागत करता है जिनका उद्देश्य लुप्तप्राय भाषाओं, मौखिक इतिहास और पारंपरिक ज्ञान की रिकॉर्डिंग, संरक्षण और प्रसार करने से जुड़ी हो।

सीएचएसएस अनुदान आमतौर पर एक अल्प-कालिक परियोजना के लिए 2,000 डॉलर से लेकर लंबी-अवधि के लिए 12,000 डॉलर तक होता है।

अनुदान इस समझ के साथ प्रदान किया जाएगा कि परियोजना के पूरा होने के दो वर्षों के भीतर, प्राप्तकर्ता अपने शोध के परिणामों को एएएस-इन-एशिया सम्मेलन, या इसी तरह के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अवार्ड का उल्लेख करते हुवे प्रस्तुत करेंगे। इस वित्त पोषित अनुसंधान

पर आधारित किसी भी प्रकाशन में भी एएएस-स्वीडन मानविकी और सामाजिक विज्ञान परिष्करण अनुसंधान अनुदान या फॉरेस्ट फाउंडेशन फिलीपींस का समुचित उल्लेख किया जाना चाहिए।

वित्तपोषण का इस्तेमाल कहाँ किया जा सकता है

- पोस्टडॉक्टरल विद्वानों और पीएचडी और मास्टर के छात्रों के लिए थीसिस, शोध-प्रबंध, और/या पुस्तक परियोजनाओं, या मानविकी और सामाजिक विज्ञान में पांडुलिपि संशोधन और जर्नल में लेखों के प्रकाशन हेतु आवश्यक अनुसंधान में।
- विद्वतापूर्ण लघु सेमिनारों और शिक्षा-विज्ञान-संबंधी कार्यशालाओं में।
- अनुवाद, पाठ्यक्रम विकास और पाठ्यपुस्तक परियोजनाओं में जो शोध परिणामों के प्रसार और कार्यान्वयन को सुगम बनाती हैं।
- वृत्तचित्र फिल्मों और दृश्य-कला परियोजनाओं में।

वित्तपोषण का इस्तेमाल कहाँ नहीं किया जा सकता है

- किसी पेशेवर सम्मेलन में भाग लेने के लिए यात्रा और आवास खर्च पर।
- वित्तीय सहायता का उपयोग किसी अन्य शोध अनुदान के संयोजन में नहीं किया जा सकता है।
- अनुसंधान करने के लिए बिजनेस क्लास या प्रथम श्रेणी के लिए यात्रा लागत में।
- सीएचएसएस अनुसंधान अनुदान का उपयोग छात्र के ऋण को चुकाने या ट्यूशन फीस को कवर करने के लिए नहीं किया जा सकता है।

आवेदन कैसे करें

सभी आवेदन आवश्यक रूप से ०१ सितंबर २०२३ तक एएएस एप्लीकेशन पोर्टल के माध्यम से जमा कर दिए जाने चाहिए। आपके आवेदन में शामिल होना चाहिए:

- एक **कवर पत्र** जिसमें निम्न्लिखित रूपरेखा उल्लेखित हो: 1) अनुसंधान अनुदान का उपयोग कैसे किया जाएगा; 2) यह आवेदक के पेशेवर विकास और अकादमिक कैरियर में कैसे योगदान देगा; 3) यह सामान्य रूप से दक्षिण या दक्षिणपूर्वी एशियाई अध्ययन के क्षेत्र में कैसे योगदान देगा।
- एक विस्तृत **शैक्षणिक जीवनवृत्त** (करिकुलम विटे), साथ ही टीम के किसी सदस्य या सह-प्राथमिक अन्वेषणकर्ताओं का शैक्षणिक जीवनवृत्त (यदि लागू हो)।
- अनुसंधान परियोजना पर **800-1,000 शब्दों का शोध-प्रस्ताव।**

- एक **बजट**, जिसमें परियोजना व्यय का प्रत्याशित विवरण हो।
- **आवेदक के काम का एक नमूना।** (इसकी कोई न्यूनतम शब्द-सीमा नहीं है, लेकिन आदर्श रूप से यह 2,000 - 2,500 शब्दों का हो)
- दो मार्गदर्शकों (रेफरी) का **अनुशंसा पत्र**, जो आवेदक के अनुसंधान-क्षेत्र से परिचित हों। उन आवेदकों को वरीयता दी जाएगी, जिन्होंने अतीत में कभी शोध अनुदान प्राप्त नहीं किया है और/या जो अल्प-संसाधन वाले संस्थान से हैं। प्रत्येक आवेदक से अनुरोध किया जाता है कि वे अपना आवेदन-पत्र ०१ सितंबर २०२३ तक आवश्यक रूप से ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से जमा कर दें। यदि इसमें कोई कठिनाई उत्पन्न होती है तो कृपया अनुदान प्रबंधक से ईमेल: grants@asianstudies.org पर संपर्क करें।

आवेदकों को वित्तपोषण संबंधी निर्णयों के बारे में दिसंबर २०२३ में सूचित किया जाएगा।

अक्सर पूछे जाने वाले प्रश्न

मुझे कितनी राशि की मांग करनी चाहिए?

यह आपकी परियोजना की अवधी पर निर्भर करता है। सामान्यतः यह राशि तकरीबन 1,000 यूएस डॉलर प्रति माह के हिसाब से होता है। उदाहरण के लिए 1-2 महीने की परियोजना के लिए 1,000-2,000 यूएस डॉलर, 3-6 महीने की परियोजना के लिए 3,000-6,000 यूएस डॉलर आदि का अनुरोध करना चाहिए। सीएचएसएस अनुदान आमतौर पर 2,000-12,000 यूएस डॉलर के बीच होता है।

क्या फंड हेतु आवेदन करने के लिए मुझे एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज (एएएस) का सदस्य होने की आवश्यकता है?

नहीं, आवेदन करने के लिए आपको एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज का सदस्य होने की आवश्यकता नहीं है। हालांकि, एएएस सदस्यों का भी आवेदन करने के लिए स्वागत है।

वित्तपोषण का उपयोग कहाँ किया जाना चाहिए ?

- पोस्टडॉक्टरल विद्वानों और पीएचडी और मास्टर के छात्रों के लिए जरुरी फील्डवर्क और पुस्तकालय-अभिलेखीय अनुसंधान के साथ ही थीसिस, शोध-प्रबंध, और/या पुस्तक परियोजनाओं, या मानविकी और सामाजिक विज्ञान में पांडुलिपि संशोधन और जर्नल में लेखों के प्रकाशन हेतु आवश्यक अनुसंधान में।
- विद्वतापूर्ण लघु सेमिनारों और शिक्षा-विज्ञान-संबंधी कार्यशालाओं में।

- अनुवाद, पाठ्यक्रम-विकास और पाठ्यपुस्तक परियोजनाओं में जो शोध परिणामों के प्रसार और कार्यान्वयन को सुगम बनाती हैं।
- वृत्तचित्र फिल्मों और दृश्य-कला परियोजनाओं में।

वित्तपोषण का उपयोग कहाँ नहीं किया जाना चाहिए?

- किसी पेशेवर सम्मेलन में भाग लेने के लिए यात्रा, होटल और भोजन के खर्च पर नहीं किया जाना चाहिए।
- वित्तीय सहायता का उपयोग किसी अन्य शोध अनुदान के संयोजन में नहीं किया जाना चाहिए।
- अनुसंधान करने के लिए बिजनेस क्लास या प्रथम श्रेणी में हवाई-रेल-जहाज यात्रा पर नहीं किया जाना चाहिए।
- सीएचएसएस अनुसंधान अनुदान का उपयोग छात्र के ऋण को चुकाने या ट्यूशन फीस को कवर करने के लिए नहीं किया जाना चाहिए।

क्या इस अनुदान के अंतर्गत वजीफे की अनुमति है?

नहीं। इस अनुदान के अंतर्गत वजीफा, वेतन और समय-आधारित पारिश्रमिक स्वीकार्य नहीं है।

अवार्ड संबंधी निर्णय कब किए जाएंगे? और अगर मुझे फंडिंग से सम्मानित किया गया तो मुझे कब सूचित किया जाएगा?

अवार्ड संबंधी निर्णय ३० नवंबर २०२३ तक किए जाएंगे। इस तिथि के बाद कुछ हफ्तों के भीतर आवेदकों को वित्तीय सहायता प्रदान किये जाने की सूचना दी जाएगी।

फंडिंग कैसे वितरित की जाती है?

व्यक्तिगत अनुसंधान अनुदान के लिए एएएस कुल अनुदान राशि का 20% हिस्सा रोककर रखता है जो शोध-कार्य पूरा होने के बाद अनुसंधान और वित्तीय रिपोर्ट प्रस्तुत करने पर जारी किया जाता है।

मैं एक दक्षिण/दक्षिणपूर्वी एशियाई नागरिक हूँ, लेकिन मैं वर्तमान में दक्षिण/ दक्षिणपूर्वी एशिया से बाहर रहता हूँ। क्या मैं आवेदन करने के योग्य हूं?

हां, आप आवेदन करने के पात्र हैं। यदि आप वर्तमान में किसी बेहतर संसाधन संपन्न संस्थान में हैं, तो ध्यान दें कि हम सहयोगात्मक परियोजनाओं (कॉलेबोरेटिव प्रोजेक्ट) को प्रोत्साहित करते हैं। विशेष रूप से उन संस्थानों में जहाँ साधन सम्पन्न संस्थानों के साथी विद्वान कम

संसाधन वाले संस्थानों के स्कॉलर को पार्टनर बनाते हैं और उनके काम में सहयोग हेतु उपयुक्त संसाधन और बुनियादी ढांचे की पेशकश करते हैं। सहयोगात्मक परियोजनाओं में कम से कम एक पार्टनर लक्षित क्षेत्रों (कंबोडिया, लाओ पीडीआर, म्यांमार, पूर्वी तिमोर, इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड, वियतनाम, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका या भारत) में से होना चाहिए।

कौन से देश पात्र हैं?

एसोसिएशन फॉर एशियन स्टडीज (एएएस) दक्षिण पूर्व एशिया के निम्न और निम्न-मध्यम आय वाले देशों (जैसे, कंबोडिया, लाओ पीडीआर, म्यांमार, पूर्वी तिमोर, इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड और वियतनाम) के साथ-साथ दक्षिण एशिया के आर्थिक रूप से कम सुविधा संपन्न देशों (जैसे, अफगानिस्तान, बांग्लादेश, भूटान, पाकिस्तान, नेपाल, श्रीलंका और भारत) से आवेदन आमंत्रित करता है। इंडोनेशिया, फिलीपींस, थाईलैंड, वियतनाम और भारत के प्रस्तावों का मूल्यांकन करते समय, समीक्षा समिति उन आवेदकों को प्राथमिकता देगी जो संसाधनों और बुनियादी ढांचे की कमी वाले क्षेत्रों और/या संस्थानों से आते हैं। **मालदीव** के आवेदनों पर भी विचार किया जाएगा।

"अल्प संसाधन वाली संस्था" की परिभाषा क्या है?

हम "अल्प-संसाधन वाले संस्थानों" के अंतर्गत उन विश्वविद्यालयों और थिंक टैंक संस्थानों को रखते हैं जिनके पास मानविकी और सामाजिक विज्ञान में अपनी शोध क्षमता को पूर्ण रूपेण उपयोग कर सकने या शोध क्षमता को पूरी तरह से विकसित करने के लिए अक्सर वित्तीय और मानव संसाधनों की कमी होती है। इन संस्थानों में परंपरागत रूप से अपने संकाय सदस्यों, अध्येताओं और छात्रों के लिए अनुदान के सीमित अवसर होते हैं और वे भौगोलिक रूप से भी प्रमुख शहरों से दूर हाशिये पर स्थित हो सकते हैं।

क्या एमए के मौजूदा छात्र आवेदन कर सकते हैं?

हां, मौजूदा एमए छात्र आवेदन कर सकते हैं। इसके साथ ही मौजूदा पीएचडी छात्र भी आवेदन कर सकते हैं।

यदि मैंने वर्तमान में छात्र ऋण ले रखा है तो क्या मैं पात्र हूँ?

कोई भी व्यक्ति जो वर्तमान में छात्र ऋण धारक है और ट्यूशन शुल्क के भुगतान हेतु सीएचएसएस अनुसंधान अनुदान का उपयोग करने का इरादा रखता है, वह योग्य नहीं होगा।

क्या मैं सीएचएसएस अनुदान कार्यक्रम में एक से अधिक आवेदन जमा कर सकता हूँ?

हां, लेकिन प्रति आवेदक केवल एक शोध-परियोजना को ही वित्तपोषण प्रदान किया जाएगा।

टीम या सह-प्राथमिक अन्वेषक (को-पीआई) वाली परियोजनाओं पर रेफरी के कितने पत्रों की आवश्यकता होती है?

प्रति आवेदन रेफरी द्वारा केवल १ अनुशंसा-पत्र आवश्यक हैं। व्यक्तिगत परियोजनाओं के साथ, सह-प्राथमिक अन्वेषक या टीम परियोजनाओं के मामले में भी रेफरी को संबंधित शोध-परियोजना के अध्ययन-क्षेत्र का ज्ञान होना चाहिए तथा इस पर बोलने में सक्षम होना चाहिए। को-पीआई परियोजनाओं में प्रति सह-प्राथमिक अन्वेषक (को-पीआई) १ रेफरी के अनुशंसा-पत्र की सलाह दी जाती है।

सह-प्राथमिक अन्वेषक (को-पीआई) या टीम परियोजनाओं पर कितने लेखन नमूनों की आवश्यकता है?

कृपया **को-पीआई या टीम प्रोजेक्ट राइटिंग सैंपल पर कुल शब्द संख्या को 2,500 शब्दों** तक सीमित करें। को-पीआई परियोजनाओं के मामले में, प्रति व्यक्ति लगभग 1,250 शब्द उपयुक्त हैं। टीम परियोजना के लिए लेखन नमूने में टीम नेतृत्व से एक नमूना शामिल होना चाहिए, लेकिन इसमें टीम के सभी सदस्यों के लेखन-नमूना या संयुक्त या सह-संपादित लेखों को शामिल किया जा सकता है।

मुझे अपनी अनुदान परियोजना पर कब तक काम करना होगा?

अनुदान इस समझ के साथ प्रदान किया जाएगा कि परियोजना के पूरा होने के दो वर्षों के भीतर, प्राप्तकर्ता अपने शोध के परिणामों को एएएस-इन-एशिया सम्मेलन, या इसी तरह के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन में अवार्ड का उल्लेख करते हुवे प्रस्तुत करेंगे। इस वित्त पोषित अनुसंधान पर आधारित किसी भी प्रकाशन में भी एएएस-स्वीडन मानविकी और सामाजिक विज्ञान परिष्करण अनुसंधान अनुदान का समुचित उल्लेख किया जाना चाहिए।

मैं दक्षिण पूर्व एशिया के एक ऐसे देश से हूं जो आवेदन करने के लिए योग्य है, लेकिन मेरे पास दूसरी नागरिकता है। क्या मैं आवेदन करने के योग्य हूं?

हां, दोहरी राष्ट्रीयता वाले आवेदक भी आवेदन कर सकते हैं।

क्या अनुदान उन स्वतंत्र शोधकर्ताओं के लिए भी उपलब्ध है जो किसी संस्था से संबद्ध नहीं हैं?

किसी थिंक-टैंक या एनजीओ से संबद्ध या वर्तमान में बिना किसी संबद्धता के स्वतंत्र शोधकर्ता भी आवेदन कर सकते हैं।

यदि मैं दक्षिण पूर्व एशिया में हूं, लेकिन उल्लेख किए गए देशों में नहीं हूं, तो क्या उल्लेखित देश में किसी अन्य शोधकर्ता के साथ आवेदन करना संभव होगा?

इस समझ के साथ एक संयुक्त आवेदन प्रस्तुत करना संभव है कि इस अनुदान का उद्देश्य वैसे विद्वानों और संस्थानों को अवसर प्रदान करना है, जिन्हें आमतौर पर वैसी सहायता या संसाधनों तक पहुंच नहीं मिल पाती हैं जो दुसरे कई क्षेत्रों में उपलब्ध होती हैं। इस मामले में, बजट प्रस्ताव के अंतर्गत यह सुनिश्चित करने की आवश्यकता होगी कि वित्त-पोषण का लाभ अनिवार्य रूप से उसी शोधकर्ता को मिले जो पात्रता मानदंडों को पूरा करता है।

क्या आवेदकों के लिए कोई आयु सीमा है?

आवेदकों के लिए कोई आयु सीमा नहीं है।

अगर मुझे इस बार अवार्ड नहीं मिलता है, तो क्या मैं अगले दौर में फिर से आवेदन कर सकता हूँ?

हां, आप अगले वर्ष फिर से आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा, यदि आपका आवेदन जो वर्तमान में उपलब्ध किसी अन्य एएएस अनुदान के लिए योग्य पाया जाता है, तो हम आपसे संपर्क करेंगे ताकि आप अन्य अवसर के लिए अपना प्रस्ताव फिर से जमा कर सकें। इसका मूल्यांकन एक अलग चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

क्या शिक्षा मंत्रालय और राष्ट्रीय संग्रहालय जैसे आधिकारिक सरकारी संस्थानों के सहयोग (कोलेबरेशन) की आवश्यकता वाले प्रस्ताव स्वीकार्य होंगे?

हां, सरकारी संस्थानों या स्थानीय गैर-सरकारी संगठनों के साथ सहयोग पात्रता मानदंडों के अनुकूल है। खासकर जब से इस सीएचएसएस परियोजना का एक लक्ष्य दक्षिण और दक्षिणपूर्वी एशियाई निम्न-आय वाले देशों में पॉलिसी के दृष्टिकोण से प्रासंगिक शोध के माध्यम से इनकी मार्मिक एवं कमजोर स्थिति को ठीक करना है ताकि यहाँ शांति-स्थापना, सहयोग और विकास को प्रोत्साहित किया जा सके।

हिंदी अनुवाद- इंद्रजीत कुमार झा, राजनीति विज्ञान विभाग,

एआरएसडी कॉलेज, दिल्ली विश्वविद्यालय